

Crèche Facility inaugurated at CUH

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar

Date: 29-09-2025

पहल • बाल कल्याण व महिला कर्मचारियों की शैक्षणिक भागीदारी मजबूत करने की दिशा में अहम कदम बच्चों की देखभाल से समझौता नहीं, हकेंवि में क्रेच सुविधा हुई शुरू

भारतन्यूज़ | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में क्रेच (बालवाड़ी) सुविधा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। यह पहल हकेंवि की समावेशी एवं सहयोगी शैक्षणिक वातावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि क्रेच सुविधा का उद्देश्य विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं शोधार्थियों को सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि क्रेच की यह सुविधा



माता-पिता को मानसिक शांति के साथ अपने पेशेवर दायित्वों पर ध्यान केंद्रित करने में मददगार साबित होगी। यह केवल एक सेवा नहीं, बल्कि हकेंवि की परिवार-हितैषी, देखभाल करने वाली और समावेशी विश्वविद्यालय बनने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने इस पहल की सराहना की और विश्वविद्यालय को इसके सफल क्रियान्वयन के लिए बधाई दी। इसी क्रम में कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी क्रेच सुविधा की शुरुआत को बाल कल्याण और कर्मचारी सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। विश्वविद्यालय में क्रेच प्रभारी तन्वी भाटी ने बताया कि इस क्रेच की रूपरेखा और दृष्टिकोण भारतीय विचारकों के विचारों से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि हमने गांधी के 'करके सीखने', टैगोर के कला एवं संगीत के माध्यम से रचनात्मकता, कृष्णमूर्ति के स्वतंत्र अभिव्यक्ति और अरविंद के समग्र शिक्षा दृष्टिकोण को इसमें सम्मिलित किया है। यह क्रेच बच्चों को सक्रिय शिक्षार्थी और रचनाकार

बनने के लिए प्रेरित करेगा तथा उन्हें घर जैसा माहौल प्रदान करेगा, जिसमें देखभाल, खेल-आधारित शिक्षा और पारिवारिक सहयोग शामिल हैं।

विश्वविद्यालय की छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रेनू यादव ने कहा कि क्रेच सुविधा से अभिभावक व बच्चे दोनों ही लाभार्थी होंगे। महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. विद्युत्लथा पेड्डिरेड्डी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह सुविधा महिलाओं की शैक्षणिक एवं पेशेवर गतिविधियों में सहभागिता को और मजबूत करेगी, जिससे उन्हें बच्चों की देखभाल से समझौता नहीं करना पड़ेगा। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि के कुलपति ने क्रेच सुविधा का किया उद्घाटन

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में क्रेच (बालवाड़ी) सुविधा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। यह पहल हकेवि की समावेशी एवं सहयोगी शैक्षणिक वातावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

टंकेश्वर ने कहा कि क्रेच सुविधा का उद्देश्य विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं शोधार्थियों को सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि क्रेच की यह सुविधा माता-पिता



विश्वविद्यालय परिसर में क्रेच सुविधा का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर •

को मानसिक शांति के साथ अपने पेशेवर दायित्वों पर ध्यान केंद्रित करने में मददगार साबित होगी। यह केवल एक सेवा नहीं, बल्कि हकेवि की परिवार-हितैषी, देखभाल करने

वाली और समावेशी विश्वविद्यालय बनने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने इस पहल की सराहना की और विश्वविद्यालय

को इसके सफल क्रियान्वयन के लिए बधाई दी। इसी क्रम में कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी क्रेच सुविधा की शुरुआत को बाल कल्याण और कर्मचारी सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

विश्वविद्यालय में क्रेच प्रभारी तन्वी भाटी ने बताया कि इस क्रेच की रूपरेखा और दृष्टिकोण भारतीय विचारकों के विचारों से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि हमने गांधीजी के 'करके सीखने', टैगोर के कला एवं संगीत के माध्यम से रचनात्मकता, कृष्णमूर्ति के स्वतंत्र अभिव्यक्ति और अरविंद के समग्र शिक्षा दृष्टिकोण को इसमें सम्मिलित किया है।

हकेवि के कुलपति ने क्रेच सुविधा का किया उद्घाटन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में क्रेच (बालवाड़ी) सुविधा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। यह पहल हकेवि की समावेशी एवं सहयोगी शैक्षणिक वातावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि क्रेच सुविधा का उद्देश्य विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं शोधार्थियों को सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि क्रेच की यह सुविधा माता-पिता को मानसिक शांति के साथ अपने पेशेवर दायित्वों पर ध्यान केंद्रित करने में मददगार साबित होगी। यह केवल एक सेवा नहीं, बल्कि हकेवि की परिवार-हितैषी, देखभाल करने वाली और समावेशी विश्वविद्यालय बनने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने इस पहल की सराहना की और विश्वविद्यालय को इसके सफल क्रियान्वयन के लिए बधाई दी।

हकेंवि के कुलपति ने क्रेच का किया शुभारंभ

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में क्रेच (बालवाड़ी) सुविधा का शुभारंभ किया। समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि क्रेच सुविधा का उद्देश्य विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं शोधार्थियों को सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि क्रेच की यह सुविधा माता-पिता को मानसिक शांति के साथ अपने पेशेवर दायित्वों पर ध्यान केंद्रित करने में मददगार साबित होगी। यह केवल एक सेवा नहीं बल्कि परिवार-हितैषी, देखभाल करने वाली और समावेशी विश्वविद्यालय बनने का प्रतीक है।

विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने इसके सफल क्रियान्वयन के लिए बधाई दी। इसी क्रम में कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी क्रेच सुविधा की शुरुआत को बाल कल्याण और कर्मचारी सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

विश्वविद्यालय में क्रेच प्रभारी तन्वी भाटी ने बताया कि इस क्रेच की रूपरेखा और दृष्टिकोण भारतीय विचारकों के विचारों से प्रेरित है। यह क्रेच बच्चों को सक्रिय शिक्षार्थी और रचनाकार बनने हेतु प्रेरित करेगा तथा उन्हें घर जैसा माहौल प्रदान करेगा। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune

Date: 29-09-2025

हकेवि परिसर में शुरू हुई क्रेच सुविधा

महेंद्रगढ़ (हप्र) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने क्रेच सुविधा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी मौजूद रहे। कुलपति ने कहा कि यह पहल कर्मचारियों व शोधार्थियों को सहयोग देते हुए माता-पिता को निश्चित होकर पेशेवर दायित्व निभाने में मदद करेगी। क्रेच प्रभारी सुश्री तन्वी भाटी ने बताया कि इसकी रूपरेखा गांधी, टैगोर, कृष्णमूर्ति और अरविंद के शैक्षिक विचारों से प्रेरित है। प्रो. रेनू यादव और डॉ. विद्युल्लथा ने इसे अभिभावक सहयोग व महिला सशक्तिकरण की दिशा में सराहनीय कदम बताया।

दैनिक ट्रिब्यून

Mon, 29 September 2025

<https://epaper.dainiktrib>



Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: India News Calling

Date: 29-09-2025

Crèche facility inaugurates at CUH



MAHENDERGARH, 28.09.25-Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor inaugurated University Crèche facility in the presence of Pro-Vice Chancellor Prof. Pawan Kumar Sharma; Registrar, Prof. Suneel Kumar, faculty, staff, students, and their families. The initiative marks an important milestone in CUH's journey of creating a more inclusive and supportive academic environment.

On this occasion Prof. Tankeshwar Kumar said that the crèche has been established to support employees and research scholars who wish to bring their children to campus. He said that this facility will allow parents to focus on their professional responsibilities with peace of mind. The crèche is not just a service; it reflects CUH's commitment to being a family-friendly university that values care, inclusivity, and community," he added.

Prof. Pawan Kumar Sharma, Pro Vice-Chancellor appreciated the initiative and congratulated the university for making it possible. Prof. Suneel Kumar, Registrar also congratulated the staff and families, noting that the crèche represents a significant step in child welfare and employee support.

Ms. Tanvi Bhati, Incharge of the Crèche, explained that its design and approach are inspired by the ideas of great Indian thinkers. "We have incorporated Gandhi's emphasis on learning by doing, Tagore's focus on creativity through art and music, Krishnamurti's vision of free expression, and Aurobindo's approach to holistic education. The crèche aims to make children active learners and creators, providing them with a home-like environment that combines care, play-based learning, and family support," she said.

Prof. Renu Yadav, Dean of Students' Welfare, highlighted that the crèche has been a long-awaited facility that will greatly benefit both

children and parents. Dr. Vidyullatha Peddireddy, Convener of the Women Empowerment Cell, praised the administration's support, emphasizing that the facility will strengthen women's participation in academic and professional activities without compromising childcare.



हकेवि के कुलपति ने क्रेच सुविधा का किया उद्घाटन

नवबिहार दूत संवाददाता
महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) हरियाणा
केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि),
महेन्द्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर
कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में
क्रेच (बालवाड़ी) सुविधा का
उद्घाटन किया। इस अवसर पर
विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो.
पवन कुमार शर्मा, कुलसचिव प्रो.
सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। यह
पहल हकेवि की समावेशी एवं
सहयोगी शैक्षणिक वातावरण के
निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण
उपलब्धि है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय
कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने
कहा कि क्रेच सुविधा का उद्देश्य
विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं
शोधार्थियों को सहयोग प्रदान करना
है। उन्होंने कहा कि क्रेच की यह
सुविधा माता-पिता को मानसिक
शांति के साथ अपने पेशेवर
दायित्वों पर ध्यान केंद्रित करने में
मददगार साबित होगी। यह केवल
एक सेवा नहीं, बल्कि हकेवि की
परिवार-हितैषी, देखभाल करने
वाली और समावेशी विश्वविद्यालय
बनने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।
विश्वविद्यालय के समकुलपति



प्रो. पवन कुमार शर्मा ने इस पहल
की सराहना की और विश्वविद्यालय
को इसके सफल क्रियान्वयन के
लिए बधाई दी। इसी क्रम में
कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी
क्रेच सुविधा की शुरुआत को बाल
कल्याण और कर्मचारी सहयोग की
दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम
बताया। विश्वविद्यालय में क्रेच
प्रभारी सुश्री तन्वी भाटी ने बताया
कि इस क्रेच की रूपरेखा और
दृष्टिकोण भारतीय विचारकों के
विचारों से प्रेरित है। उन्होंने कहा
कि हमने गांधीजी के ह्यकरके
सीखने, टैगोर के कला एवं संगीत

के माध्यम से रचनात्मकता,
कृष्णमूर्ति के स्वतंत्र अभिव्यक्ति
और अरविंद के समग्र शिक्षा
दृष्टिकोण को इसमें सम्मिलित किया
है। यह क्रेच बच्चों को सक्रिय
शिक्षार्थी और रचनाकार बनने हेतु
प्रेरित करेगा तथा उन्हें घर जैसा
माहौल प्रदान करेगा, जिसमें
देखभाल, खेल-आधारित शिक्षा
और पारिवारिक सहयोग शामिल
हैं।

विश्वविद्यालय की छात्र कल्याण
अधिष्ठाता प्रो. रेनू यादव ने कहा कि
यह क्रेच सुविधा से अभिभावक एवं
बच्चे दोनों ही लाभान्वित होंगे।

हकेवि के कुलपति ने क्रेच सुविधा का किया उद्घाटन

महेंद्रगढ़, 28 सितंबर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में क्रेच (बालवाड़ी) सुविधा का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। यह पहल हकेवि की समावेशी एवं सहयोगी शैक्षणिक वातावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि क्रेच सुविधा का उद्देश्य विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं शोधार्थियों को सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि क्रेच की यह सुविधा माता-पिता को मानसिक शांति के साथ अपने पेशेवर दायित्वों पर ध्यान केंद्रित करने में मददगार



विश्वविद्यालय परिसर में बालवाड़ी को उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

साबित होगी। यह केवल एक सेवा नहीं, बल्कि हकेवि की परिवार-हितैषी, देखभाल करने वाली और समावेशी विश्वविद्यालय बनने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

विश्वविद्यालय के समकुलपति

प्रो. पवन कुमार शर्मा ने इस पहल की सराहना की और विश्वविद्यालय को इसके सफल क्रियान्वयन के लिए बधाई दी। इसी क्रम में कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी क्रेच सुविधा की

शुरुआत को बाल कल्याण और कर्मचारी सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। विश्वविद्यालय में क्रेच प्रभारी सुश्री तन्वी भाटी ने बताया कि इस क्रेच की रूपरेखा और दृष्टिकोण भारतीय विचारकों के विचारों से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि हमने गांधीजी के 'करके सीखने', टैगोर के कला एवं संगीत के माध्यम से

रचनात्मकता, कृष्णमूर्ति के स्वतंत्र अभिव्यक्ति और अरविंद के समग्र शिक्षा दृष्टिकोण को इसमें सम्मिलित किया है। यह क्रेच बच्चों को सक्रिय

शिक्षार्थी और रचनाकार बनने हेतु प्रेरित करेगा तथा उन्हें घर जैसा माहौल प्रदान करेगा, जिसमें देखभाल, खेल-आधारित शिक्षा और पारिवारिक सहयोग शामिल हैं।

सुविधा का उद्देश्य विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं शोधार्थियों को सहयोग प्रदान करना



विश्वविद्यालय परिसर में बालवाड़ी को उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (छाया: पंजाब केसरी)

हकेंविके कुलपति ने क्रेच सुविधा का किया उद्घाटन

महेंद्रगढ़, (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में क्रेच (बालवाड़ी) सुविधा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। यह पहल हकेवि की समावेशी एवं सहयोगी शैक्षणिक वातावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि क्रेच सुविधा का उद्देश्य विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं शोधार्थियों को सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि क्रेच की यह सुविधा माता-पिता को मानसिक शांति के साथ अपने पेशेवर दायित्वों पर ध्यान केंद्रित करने में मददगार साबित होगी। यह केवल एक सेवा नहीं, बल्कि हकेवि की परिवार-हितैषी, देखभाल करने वाली और समावेशी विश्वविद्यालय बनने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने इस पहल की सराहना की और विश्वविद्यालय को इसके सफल क्रियान्वयन के लिए बधाई दी। इसी क्रम में कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी क्रेच सुविधा की शुरुआत को बाल कल्याण और कर्मचारी सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। विश्वविद्यालय में क्रेच प्रभारी सुश्री तन्वी भाटी ने बताया कि इस क्रेच की रूपरेखा और दृष्टिकोण भारतीय विचारकों के विचारों से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि हमने गांधीजी के 'करके सीखने', टैगोर के कला एवं संगीत के माध्यम से रचनात्मकता, कृष्णमूर्ति के स्वतंत्र अभिव्यक्ति और अरविंद के समग्र शिक्षा दृष्टिकोण को इसमें सम्मिलित किया है। यह क्रेच बच्चों को सक्रिय शिक्षार्थी और रचनाकार बनने हेतु प्रेरित करेगा तथा उन्हें घर जैसा माहौल प्रदान करेगा, जिसमें देखभाल, खेल-आधारित शिक्षा और पारिवारिक सहयोग शामिल हैं। विश्वविद्यालय की छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रेनु यादव ने कहा कि यह क्रेच सुविधा से अभिभावक एवं बच्चे दोनों ही लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

